

2018

हिन्दी

समय : 3 घण्टे ।

पूर्णांक : 100

- निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके समुद्र अंकित हैं।

खण्ड - 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - $2 \times 5 = 10$

बहुत ही गहरे इंसान थे कलाम साहब। लोगों के लिए वे अभिन पुरुष, मिसाइल मैन और न जाने क्या-क्या थे। मगर हमारे लिए वे एक ऐसी शक्षियत थे, जिन्होंने अपने जीवन में इंसानियत को सबसे ज्यादा तवज्जो दी। वह सच्चाई और शान्ति के साथ किसी भी काम को करने में यकीन रखते थे। बैज्ञानिक होते हुए भी मूल्यों पर भरोसा करते थे। बौद्ध, हिन्दू जैसे दुनिया के तमाम धर्मों में उनकी गहरी रुचि थी। अच्छी सौच होना अलग बात है, मगर उसे अपने जीवन में अमल में लाना यिल्कुल दूसरी बात। मगर कलाम साहब ने अच्छी साच को अपनी जिंदगी में उतारा थी। सच्चाई, साफगोई और शालीनता उनकी पहचान थी। दोहरेपन का जीवन तो उन्होंने कभी जिया ही नहीं। बहुत कम समय में ही वह बड़ी ही गहराई के साथ लोगों से जुड़ जाते थे। असफलताएँ उन्हें निराश नहीं करती थीं। वह उनसे सीख कर आगे बढ़ जाते। उनका हर काम जिंदगी को बेहतर करने के लिए था। उनकी सौच जीवन को खुशनुमा बनाने की लिए थी। भले ही उन्होंने मिसाइलें बनाई, मगर उनकी सौच, उनका दिल आम आदमी की जिंदगी की बेहतरी के लिए धड़कता था। उन्हें राष्ट्रपति बनने का कभी दंभ नहीं रहा। बच्चों से मुलाकात के दौरान तो वह खुद बच्चे हो जाते। यहीं वजह है कि लालग्र बच्चों से मिलने में उन्होंने कभी गुरेज नहीं किया। लालग्र बच्चों से मिले। भारत के धारे में, जिंदगी के धारे में और समाज के धारे में उनके नजरिये को अपने साथ साझा किया। वे बच्चों की जिज्ञासा और उत्सुकता को शांत करने की कोशिश करते। उनका कहना था— आइए हम अपने आज का बलिदान कर दें ताकि हमारे बच्चों का कल बेहतर हो राके। छोटे पीजे, अद्युल कलाम का कथन है “सपने वो नहीं जो आप सोते समय देखते हैं, सपने वो होते हैं, जो आपको सोने नहीं देते।” उन्होंने देश को विकसित बनाने का सपना देखा। वह मानते थे कि यिन परिकल्पनाएँ को कोई भी देश अपने लक्ष्यों को हासिल नहीं कर सकता। अपनी किताब ‘21वीं सदी का भारत : नव निर्माण की रूपरेखा’ में कलाम साहब ने देश की पहली परिकल्पना भारत की आजादी की बताया था। उनकी दूसरी परिकल्पना निकसित भारत की थी।

(क) कलाम साहब बैज्ञानिक होते हुए भी किन विषयों में रुचि रखते थे ?

(ख) वे असफलताओं से सीख कर क्या करते थे ?

(ग) बच्चों का कल बेहतर बनाने हेतु क्या उपाय बताया है ?

(घ) ‘सपने वो नहीं जो आप सोते समय देखते हैं, सपने वो होते हैं, जो आपको सोने नहीं देते।’ उक्त कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ड) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

2. यहाँ गए संकेत-विन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए -- 10

(क) उत्तराखण्ड में पर्यटन की सभावना :

(i) पर्यटन का अर्थ

(ii) उत्तराखण्ड के पर्यटन स्थल

(iii) पर्यटकों को दी जाने वाली सुविधाएँ

(iv) पर्यटन की उपयोगिता

(ख) जनसंख्या बढ़ि का संकेत :

(i) भारत में जनसंख्या वृद्धि के कारण

(ii) जनसंख्या के अनुपात में घटते संसाधन

(iii) अन्य समस्याएँ

(iv) जनसंख्या नियन्त्रण के उपाय

9. (क) कन्यादान कविता में माँ ने बेटी को क्या—क्या सीख दी ? 2
 (ख) 'संगतकार' कविता के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है ? 2
10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी एक गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $2 \times 2 = 4$
 (i) 'शिक्षा' द्वारा व्यापक शब्द है। उसमें सीखने योग्य अनेक विषयों का समावेश हो सकता है। पढ़ना—लिखना भी उसी के अंतर्गत है। इस देश की वर्तमान शिक्षा—प्रणाली अच्छी नहीं। इस कारण यदि कोई स्त्रियों का पढ़ाना अनर्थकारी समझे तो उसे उस प्रणाली का संशोधन करना या कराना चाहिए, खुद पढ़ने—लिखने को दोष न देना चाहिए। लड़कों ही की शिक्षा—प्रणाली कौन—सी बड़ी अच्छी है। प्रणाली बुरी होने के कारण क्या किसी ने यह राय दी है कि सारे स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए जाएँ ? आप खुशी से लड़कियों और स्त्रियों की शिक्षा की प्रणाली का रांशोधन कीजिए। उन्हें क्या पढ़ाना चाहिए, कितना पढ़ाना चाहिए, किस तरह की शिक्षा देना चाहिए और कहाँ पर देना चाहिए – घर में या स्कूल में – इन सब बातों पर बहस कीजिए, दिवार लीजिए, जी में आये सो कीजिए; पर परमेश्वर के लिए यह न कहिए कि स्वयं पढ़ने—लिखने में कोई दोष है—वह अनर्थकर है, वह अभिमान का उत्पादक है, वह गृह—सुख का नाश करने वाला है। ऐसा कहना सोलहों आने मिथ्या है।
- (क) शिक्षा का अर्थ लेखक के अनुसार क्या है और उसके दायरे में क्या—क्या आता है ?
 (ख) उक्त गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हमें स्त्री शिक्षा के बारे में किन बातों पर विचार करना चाहिए ?
- (ii) पेट भरा और तन ढँका होने पर भी ऐसा मानव जो बास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं कैठ सकता। हमारी राध्यता का एक बड़ा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से ही मिला है, जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है, किन्तु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला है जिन्होंने तथ्य—दिशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नहीं, बल्कि उनके अपने अन्दर की सहज संस्कृति के ही कारण प्राप्त किया है। रात के तारों को देखकर न सो सकने वाला मनीषी हमारे आज के ज्ञान का ऐसा ही प्रथम पुरस्कर्ता था।
- (क) संस्कृत भानव आप किसे समझते हैं ? कुछ उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
 (ख) रात के गर्मों को देखकर न सो सकने का आशय स्पष्ट कीजिए।
11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $2 \times 2 = 4$
 (क) फट्टर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी ?
 (ख) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कैप्टन बार—बार मूर्ति पर चश्मा क्यों लगा देता था ?
 (ग) 'एक कहानी यह भी' आत्मकथ्य में लेखिका के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों संबोधित किया है ?
12. (क) डालगांडिन भगत के व्यक्तित्व की विशेषताओं का निरूपण कीजिए। 3
 (ख) 'संस्कृति' पाठ के अनुसार सभ्यता और संस्कृति में क्या अन्तर है ? 2
13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $2 \times 3 = 6$
 (व) माता पा अँचल पाठ के आधार पर बताइए कि बच्चे माता—पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं ?
 (ख) जॉर्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या—क्या यत्न किये ?
 (ग) गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा जाता है ? स्पष्ट कीजिये।
 (घ) हिंडेश्मा की घटना को विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग क्यों कहा गया है ? पठित पाठ के आधार पर उपर जोड़े जोड़िए।
- खण्ड — 'ब'
14. अधोलिखित गद्यांश पठित्वा त्रीन् प्रश्नान् पूर्णाक्येन उत्तरत – $2 \times 3 = 6$
 (निम्न गद्यांश को पढ़कर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)
 चन्द्रगुप्त: मगधदेशस्य नृपः आसीत्। तस्य मन्त्री चाणक्यः आसीत्। तपोधनः सः राजतन्त्रस्य ज्ञाता आसीत्। सः एकरिमन् स्तुजे निवसति रम। सः वैराग्य—भावनया पूर्णः आसीत्। नृपः एकवारं चाणक्याय कम्बलानि दशवान्। तानि कम्बलानि निर्धनेभ्यः दातुं नृपः सूचितवान्। चाणक्यस्य उटजं नगराद् वहि: आसीत्। केचन चौराः कम्बलानि अपहर्तु चिन्तितवन्तः। ते एकदा रात्रौ चाणक्यस्य उटजं प्रविष्टवन्तः।
 (क) चाणक्यः कर्य मंत्री आसीत् ? (ख) चाणक्यः कुत्र निवसति रम ?
 (ग) चौराः किं चिन्तितवन्तः ? (घ) चौराः रात्रौ कुत्र प्रविष्टवन्तः ?

* * * * *